विलियम होय

कैसे एक बधिर बेसबॉल खिलाड़ी ने खेल को बदला

नैन्सी चुर्निन

चित्र जेज़ तुया

विलियम होय ने अपने शुरुआती वर्ष में नेशनल लीग का नेतृत्व किया. उनके पास एक मजबूत, निश्चित हाथ और हवा में उड़ती हुई गेंदों को पकड़ने की क्षमता थी. वो बहरे भी थे.

विलियम एल्सवर्थ होय को किसी भी चीज़ से अधिक बेसबॉल खेलना पसंद था. जब उनसे कहा गया कि वो अपनी स्कूल टीम के लिए बहुत छोटे थे, तो उन्होंने उस बात की कोई ख़ास परवाह नहीं की - उन्होंने अभ्यास किया और धीरे-धीरे वो प्रमुख लीगों में खेलने के लिए काफी अच्छे हो गए! प्रमुख लीगों में बहरा होना आसान नहीं था, क्योंकि 1880 के दशक में, बहुत कम लोग सांकेतिक भाषा का उपयोग करते थे. विलियम को मैदान पर होठों को पढ़ने में कठिनाई होती थी और कुछ खिलाड़ियों ने उन्हें बरगलाने की कोशिश भी की. लेकिन उन्होंने उस बात को खुद पर हावी नहीं होने दिया. विलियम ने अंपायरों को हाथ के संकेत सिखाए ताकि वो कॉल देख सकें, और फिर उन्होंने वास्तव में स्कोर करना शुरू कर दिया!

इस पुस्तक में पढ़ें कि कैसे "डमी" होय बेसबॉल को एक बेहतर खेल बनाकर अपने समय के सबसे महान और प्रिय खिलाड़ियों में से एक कैसे बने.

विलियम होय

कैसे एक बधिर

बेसबॉल खिलाड़ी ने खेल को बदला

नैन्सी चुर्निन

चित्र जेज़ तुया

विलियम ने अपनी चिकनी रबर की गेंद से पसीना सुखाने के लिए उसे धूल में रगड़ा. वो खलिहान की दीवार पर चाक से बनाए गए छोटे एक्स निशान को देखता रहा. उसने अपनी आँखें मूँद लीं. फिर उसने आँखें खोलीं और गेंद फेंकी. धम्म! उसकी गेंद ठीक निशाने पर जाकर लगी. वो पीछे हटा ताकि वो दोबारा प्रयास कर सके.
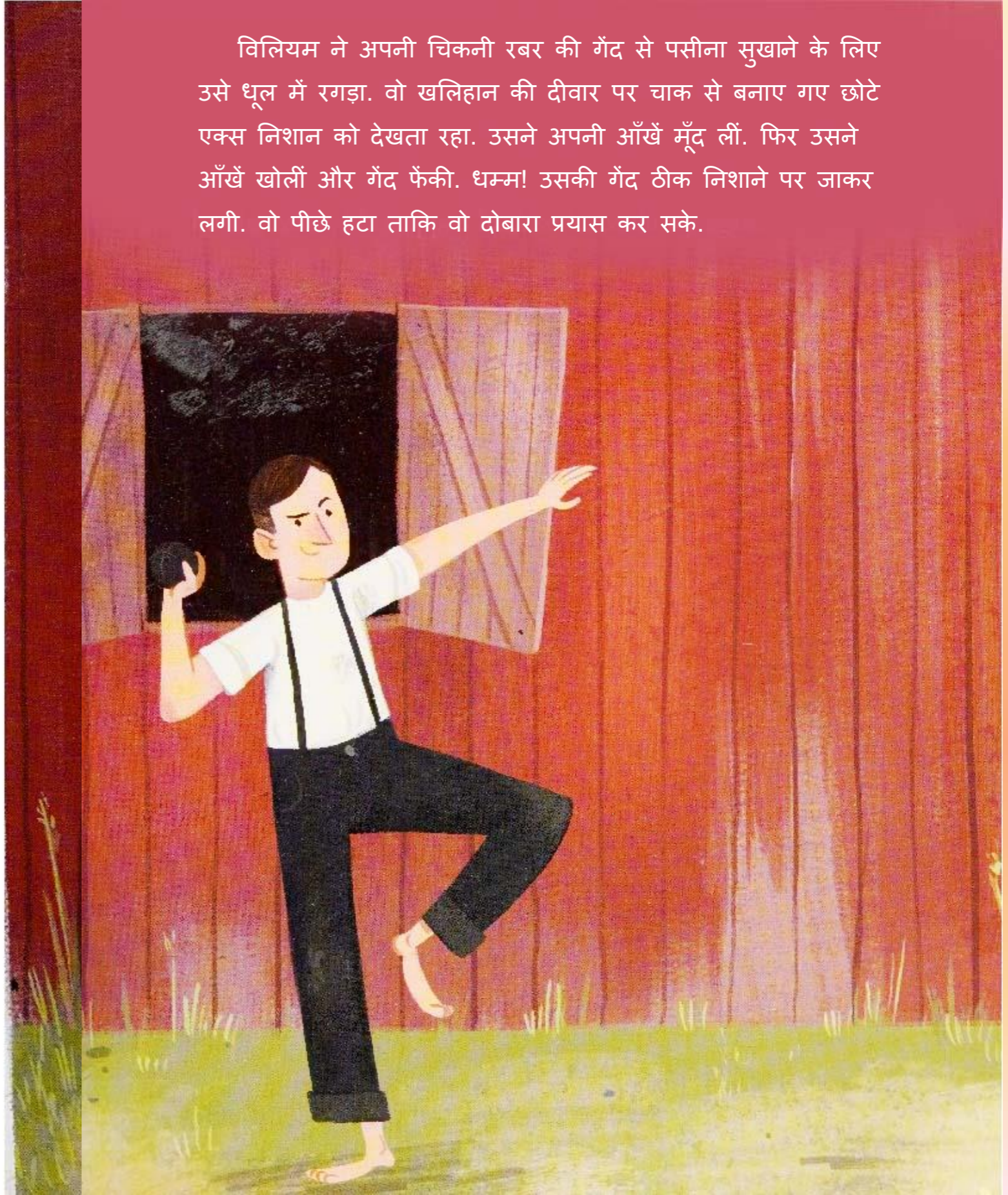
उसकी माँ ने अपने हाथ लहराए.
वो अपने बेटे की सराहना कर रही थीं.

माँ ने खाने का संकेत देने के लिए अपनी उंगलियों को अपने मुँह पर छुआ. जब माँ ने कहा, "रात्रिभोजन" तो उसने माँ के होठों को पढ़ा.

विलियम ने अपना पैड और पेंसिल निकाली. उसने लिखा: "बस कुछ देर और? मैं थोड़ी देर और प्रैक्टिस करना चाहता हूं."

उसकी माँ ने सिर हिलाया.

परिवार मेज के चारों ओर भुने हुए आलू रख रहा था जब विलियम ने धक्का देकर दरवाज़ा खोला. उसने अपने पिता के होठों को पढ़ा - वो उससे रात के खाने के लिए नहा-धो लेने के लिए कह रहे थे. पिता ने उसकी माँ से क्या कहा वो भी उसने पढ़ा.

"बेसबॉल," उसके पिता ने सिर हिलाते हुए कहा. "वो बहुत दिनों तक नहीं चलेगा."
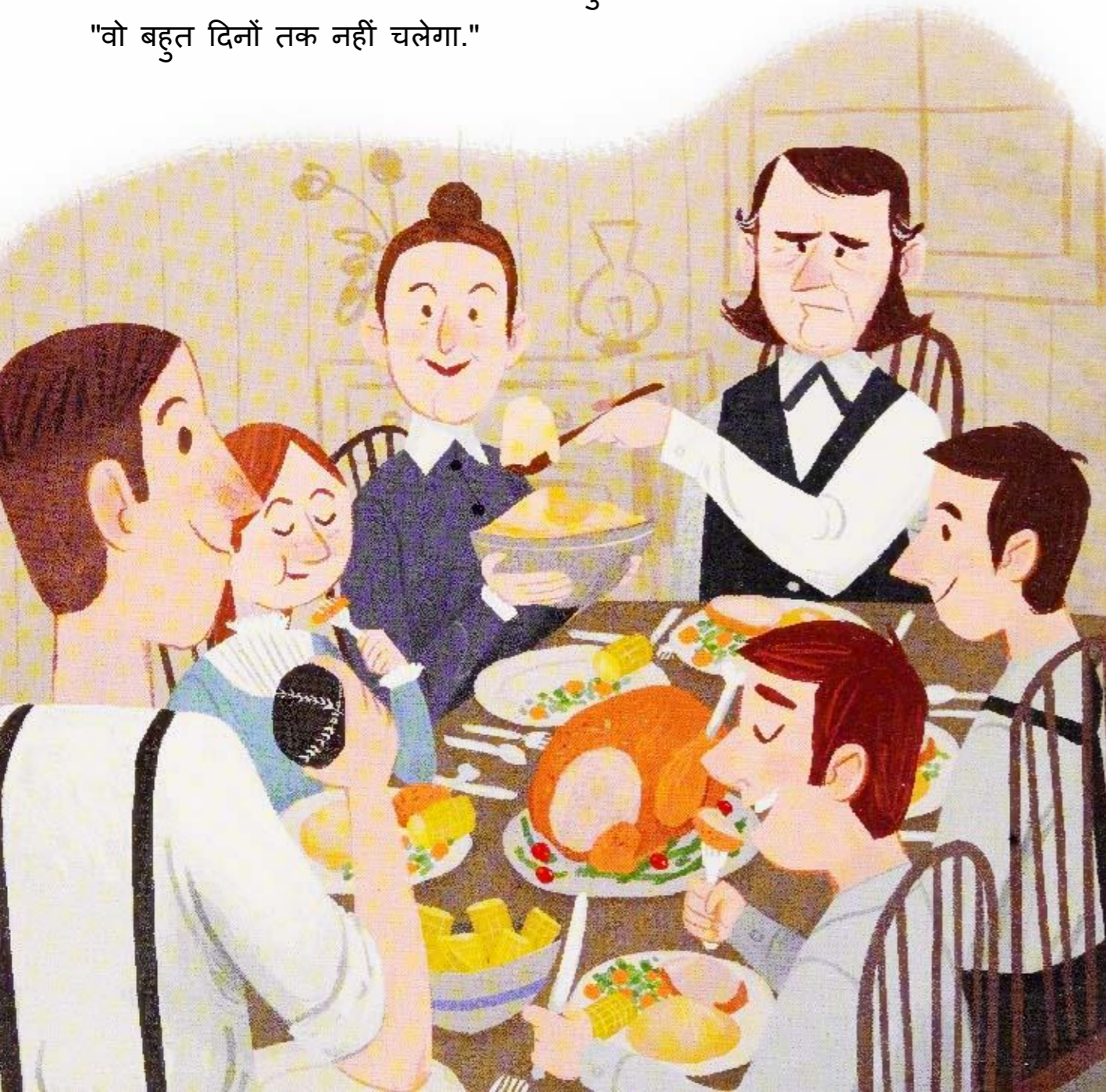
फिर भी, विलियम ने अपने स्कूल, ओहियो स्टेट स्कूल फॉर द डेफ में प्रयास किया. ट्राई-आउट के समय, उसने गेंद फेंकी. फिर उसने गेंद पकड़ी. उसने बल्लेबाजी की. उसने इंतज़ार किया.

"तुम बहुत छोटे हो," टीम के कप्तान ने कहा.

विलियम कभी भी पाँच-फुट-पाँच से अधिक लम्बा नहीं हो सका. वो अपनी ऊंचाई के बारे में कभी कुछ नहीं कर सका.

लेकिन शायद वे उसे एक और मौका दें, अगर वो बेहतर निशाना लगाए और तेज़ दौड़े. इसलिए, हर दिन, होमवर्क और कामकाज के बाद, वो अभ्यास करता था.
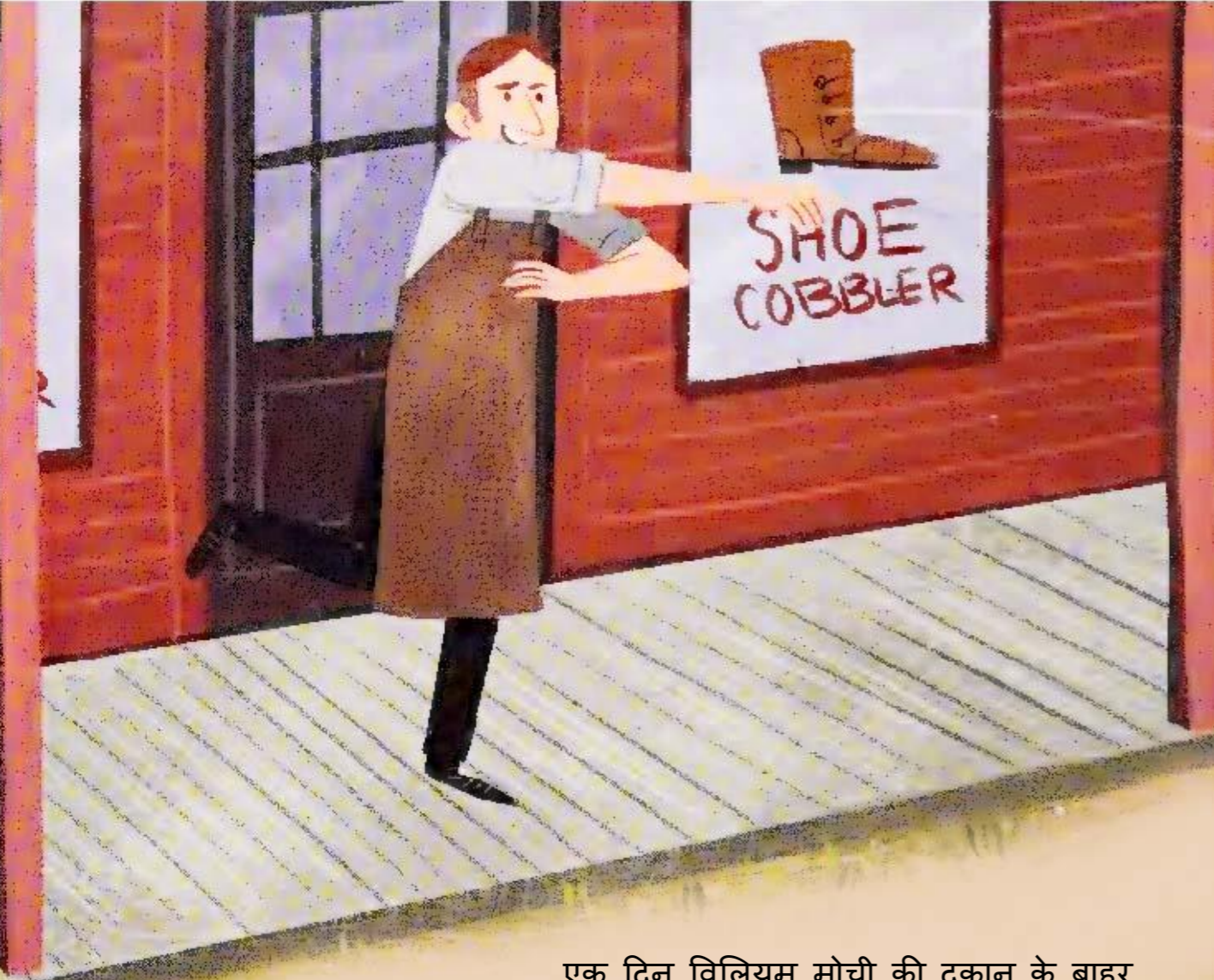
एक दिन विलियम मोची की दुकान के बाहर खड़ा था और जूते ठीक कर रहा था. वो दूर मैदान में लोगों को बेसबॉल खेलते हुए भी देख रहा था. तभी अचानक एक बॉल उसके पैर से टकराई. अपने मजबूत, आश्वस्त हाथ से, उसने गेंद को सीधे आश्चर्यचकित खिलाड़ी के हाथों में फेंका.

"अरे, बच्चे," खिलाड़ी ने पुकारा.

"क्या तुम हमारे साथ खेलना चाहोगे?"

लेकिन विलियम जहां था वहां से वो खिलाड़ी के होठों को नहीं पढ़ सका. इसलिए वो काम पर वापस लौट गया.

वो आदमी विलियम के पास भागा और उसने ध्यान आकर्षित करने के लिए उसकी पीठ थपथपाई. विलियम इधर-उधर देखता रहा, और इस बार, जब उस आदमी ने सवाल दोहराया, तो वह समझ गया. फिर वो ख़ुशी से फील्ड की ओर दौड़ा.

विलियम ने गेंद अपने साथी के हाथों में फेंकी. जब वो बल्लेबाजी करने गया, तो उसने गेंद इतनी ऊंची मारी कि कोई भी उसे पकड़ नहीं पाया.

"तुम्हारा क्या नाम है?" एक खिलाड़ी से पूछा.

विलियम होय, विलियम ने लिखा.
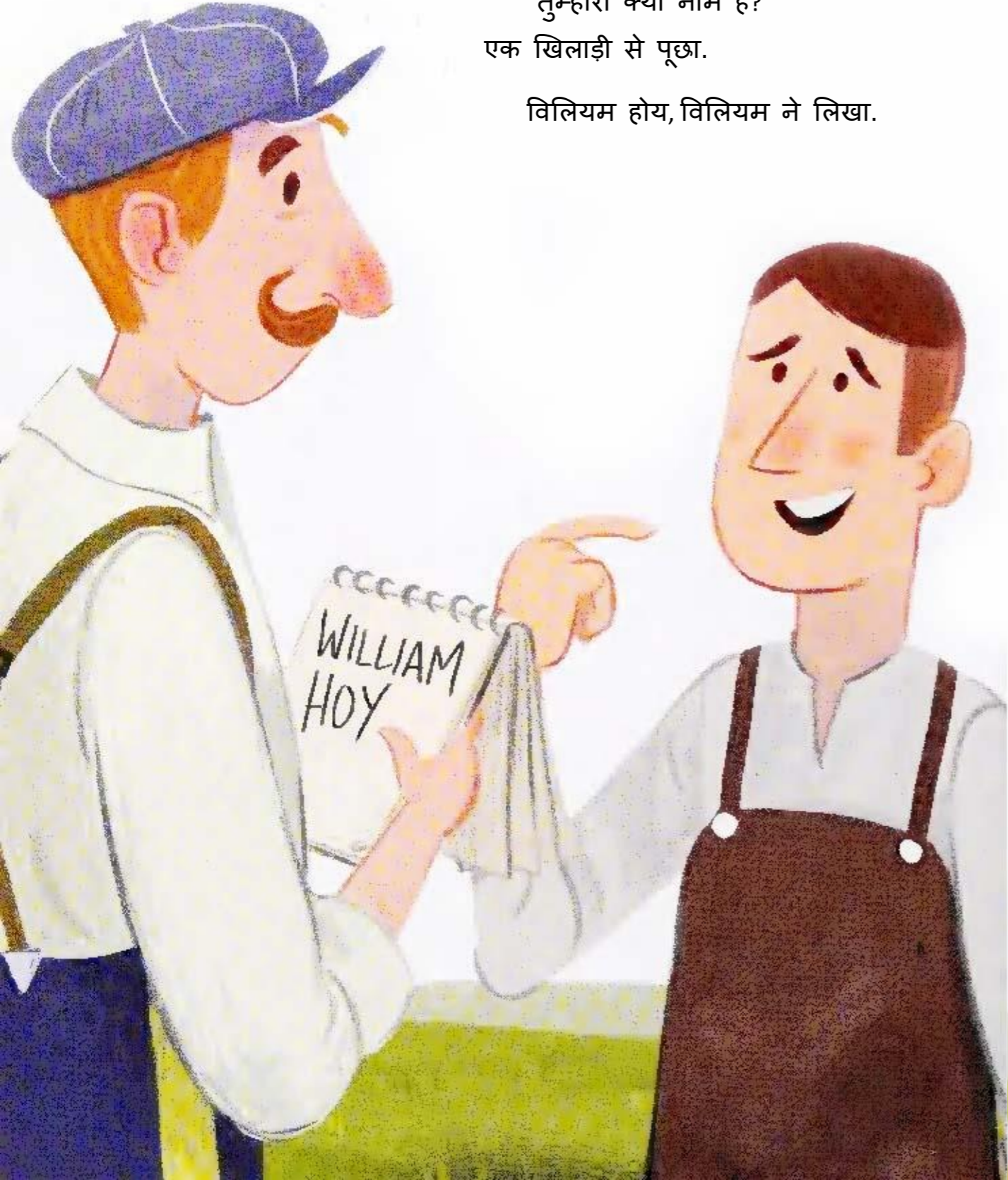
वो आदमी कागज के टुकड़े को बहुत देर तक देखता रहा.

ऐसा लग रहा था जैसे वो कुछ सोच रहा हो.

"क्या तुम हमारी टीम के लिए खेलना चाहोगे?" आख़िरकार उसने विलियम से पूछा.

विलियम मुस्कुराया. वो ज़रूर खेलना चाहेगा!

विलियम को जल्द ही पता चला कि सुनने वालों की दुनिया में जीवन आसान नहीं था. उसके माता-पिता के अलावा, 1880 के दशक में, बहुत कम लोग ही सांकेतिक भाषा का प्रयोग करते थे, और निश्चित रूप से बेसबॉल में नहीं. जिस पहली टीम के लिए उसने प्रयास किया, उसमें उसने एक स्थान जीता, लेकिन जब मैनेजर ने विलियम को दूसरों को की तुलना में कम पैसे दिए तो विलियम मुस्कुराया.

"मैं टीम छोड़ रहा हूँ," विलियम ने अपनी नोटबुक लिखकर उसे बताया. फिर उसे तुरंत एक दूसरी टीम मिल गई.
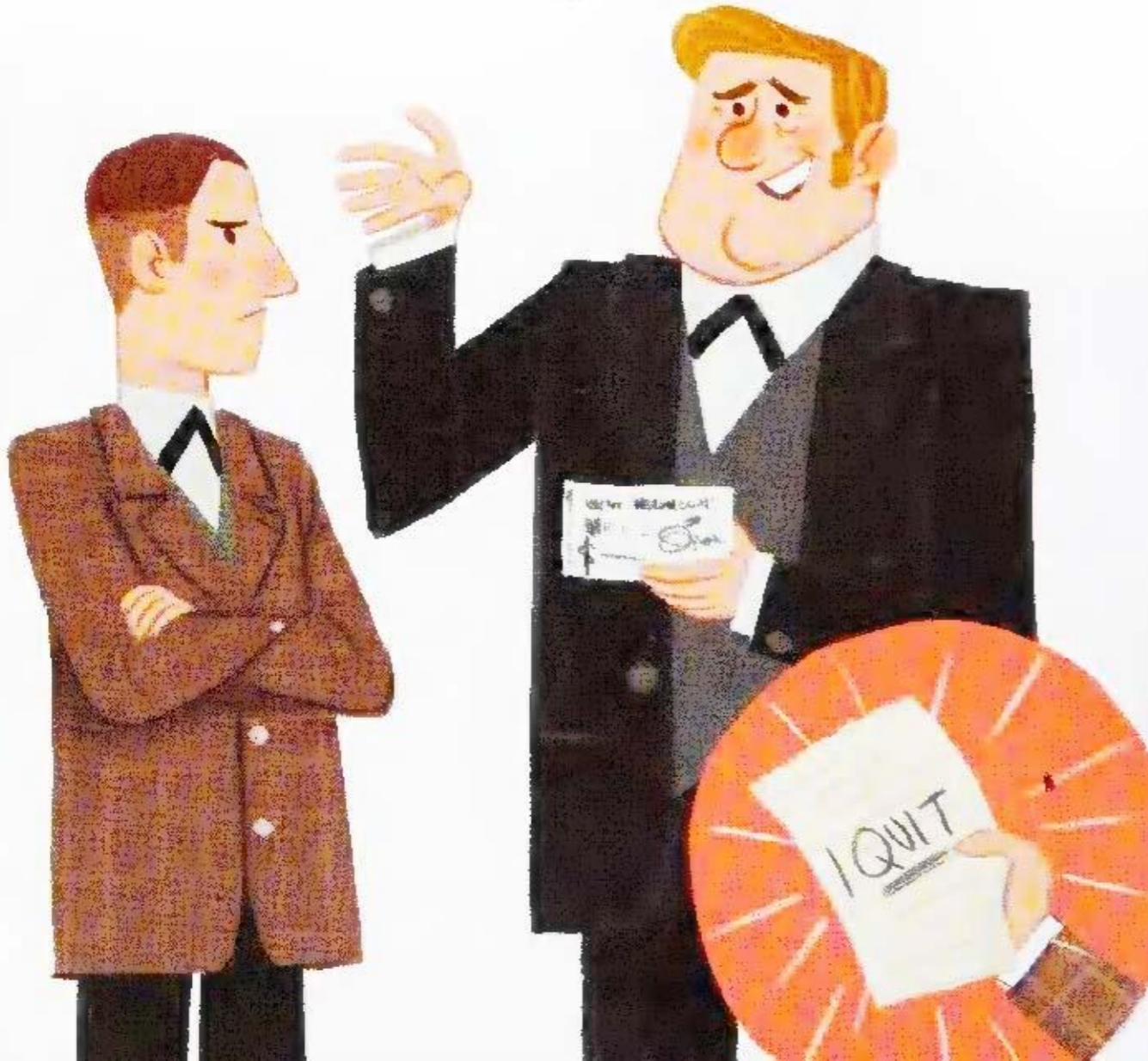
लेकिन उसकी नई टीम में भी, कुछ खिलाड़ियों ने उस की पीठ पीछे बातें की ताकि विलियम को पता न चले कि वे क्या कह रहे थे. दूसरों ने अपना मुँह छिपाया ताकि विलियम उनके होंठ न पढ़ न सके.

एक दिन एक पिचर खिलाड़ी ने बहुत घटिया चाल चली. विलियम ने तीन पिचें जाने दीं क्योंकि उसे लगा कि वे स्ट्राइक नहीं, साधारण गेंदें थीं. वो अंपायर से बहुत दूर था और उनके होठों को पढ़ नहीं सकता था. वे गेंदें वे वास्तव में स्ट्राइक थीं. उसने अपना बल्ला पकड़कर खड़ा था और अगली पिच का इंतजार कर रहा था. लेकिन अगली पिच कभी नहीं आई. विलियम भ्रमित हो गया. अचानक पिचर खिलाड़ी की हँसी फूट पड़ी. उन्होंने स्टैंड में मौजूद प्रशंसकों की ओर भी हंसने का इशारा किया.

उससे विलियम का चेहरा गुस्से से लाल हो गया. वो तेजी से वहां से चला गया. उसका रोने का मन कर रहा था. बेसबॉल के लिए मैं कभी नहीं रोऊँगा, उसने खुद से कहा.

उसने अपने हाथ अपनी जेबों में डाल लिये. कागज़ उसकी मुट्ठी में कुरकुराने लगा. उसने जेब से अपनी माँ का पत्र निकाला. उसने फिर से पढ़ा कि माँ उसे कितना याद कर रही थी.

विलियम को अपने परिवार की भी बहुत याद आती थी. उसे याद आया कि कैसे उसकी माँ उसकी सराहना करने के लिए अपने हाथ लहराती थी.
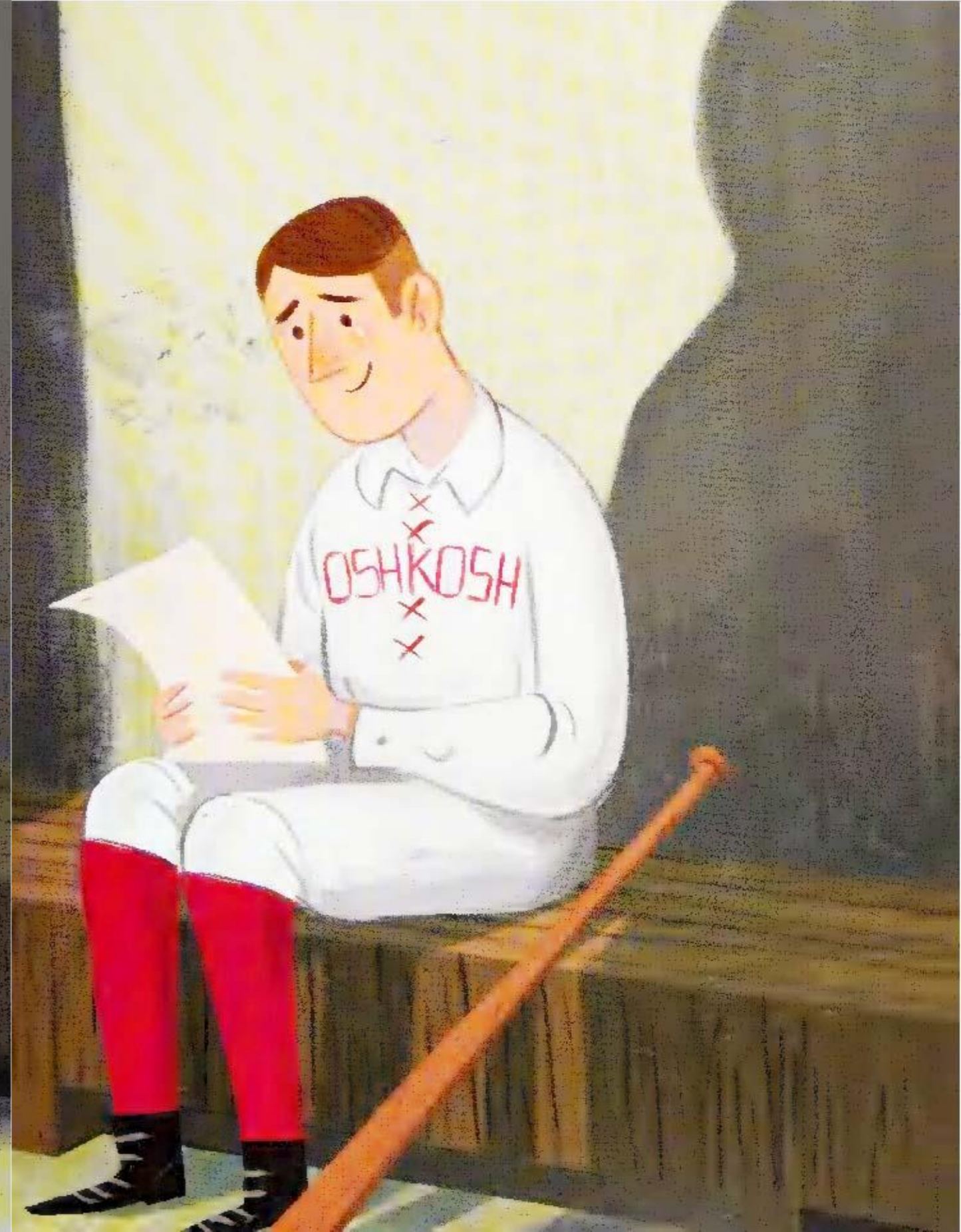
बस यह ठीक है! विलियम ने अपना पैड निकाला
और उसपर चित्र बनाए. उसने चित्रों के आगे शब्द लिखे.
उसने लिखा और लिखा! फिर वो अंपायर के पास दौड़ा.

अंपायर ने विलियम्स के नोट्स पढ़े.
"हाँ, वो काम हो सकता है," अंपायर ने कहा.
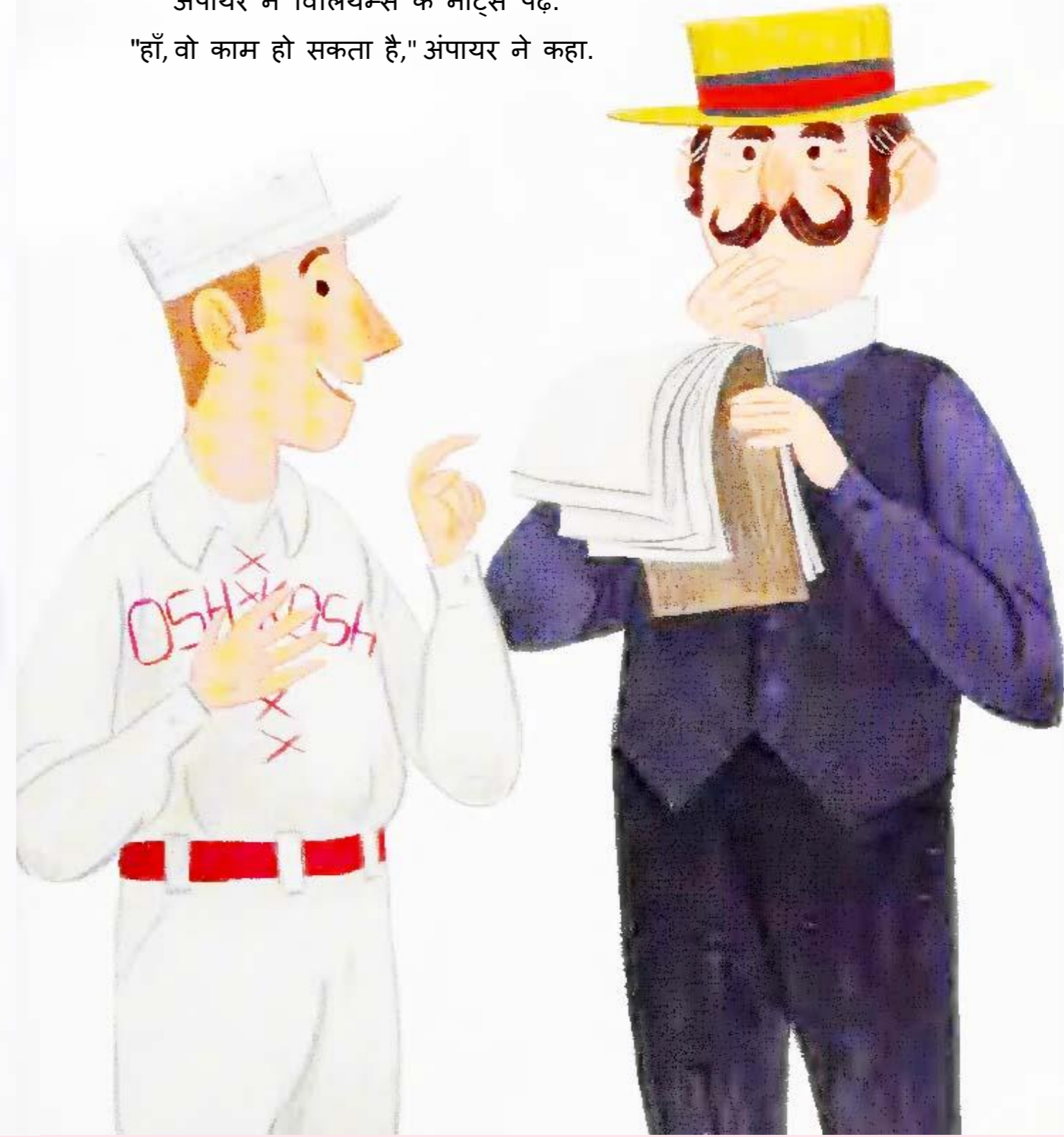
अगली बार जब विलियम बल्लेबाजी कर रहा था,
तो अंपायर ने स्ट्राइक के लिए अपना दाहिना हाथ उठाया
और साधारण बॉल के लिए अपना बायां हाथ उठाया.

अंपायर ने "सेफ" और "आउट" के लिए अमेरिकी सांकेतिक भाषा के प्रतीकों का उपयोग किया. इस बार विलियम बेस पर आ गया. उसने कई जीतें हासिल कीं. उसने एक ऊंचा स्कोर बनाया!

मेजर टीम में अपने पहले वर्ष में,
उसने नेशनल लीग का नेतृत्व किया.

अपनी मजबूत, सधी भुजा के साथ, वो एक ही गेम में आउटफील्ड से तीन बेस रनर्स को आउट करने वाला पहला खिलाड़ी बना!

विलियम ने अपने साथियों को संकेत सिखाए ताकि वे गेम पर चर्चा कर सकें और दूसरी टीम उनकी बातें न सुन सके. टीम को वो पसंद आया!

प्रशंसकों ने भी संकेतों का भी आनंद लिया. उन दिनों, स्पीकर और विशाल स्क्रीन होते नहीं थे इसलिए बहुत दूर से अंपायर की कॉल सुनना कठिन था! अब, भीड़ में सबसे दूर का आदमी भी अंपायर का सिग्नल देख सकता था.

हर टीम ने विलियम से उनके लिए खेलने की विनती की. अंत में अपने परिवार के फार्म के पास, उसने सिनसिनाटी रेड्स के साथ एक अनुबंध किया. लेकिन उससे पहले उसने कई अन्य टीमों के लिए खेला.

विलियम को अपने माता-पिता को यह दिखाने का गर्व था कि जो लड़का स्कूल टीम में नहीं चुना गया वो अब बेसबॉल के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक बन गया था.

जब विलियम अपने कंधे पर बल्ला हिलाते हुए प्लेट की ओर बढ़ता, तो प्रशंसकों को पता चल जाता कि वो हिट करेगा और दौड़ेगा, फिर तेजी से बेस के चारों ओर अपना रास्ता बना लेगा.

संकेतों को ध्यान से देखते हुए, विलियम ने 1901 में अमेरिकन लीग का नेतृत्व किया. उसे सेंटर फील्ड का किंग यानि राजा कहा जाता था क्योंकि दस वर्षों तक वो गेंदों को पकड़कर हिटरों को आउट करने वाले शीर्ष पांच आउटफील्डरों में से एक था.

विलियम के स्टार बनने के बाद, उसे लगा कि कोई भी चीज़ उसे आश्चर्यचकित नहीं कर पायेगी. फिर, एक दिन, जब वो फील्ड की ओर भागा, तो प्रशंसकों ने स्टैंड से अपनी भुजाएँ लहराईं, ठीक वैसे ही जैसे उनकी माँ तब करती थीं जब वो एक छोटा लड़का था. प्रशंसकों ने अपनी टोपियाँ भी लहरायीं.

विलियम ने कहा कि वो बेसबॉल के बारे में कभी नहीं रोएगा. लेकिन लोगों की जोरदार तालियों को देखकर वो रो पड़ा. बचपन से ही वो अपना पसंदीदा खेल खेलने का कोई तरीका खोजना चाहता था. उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वो बेसबॉल खेल के तरीके को बदल देगा. लेकिन उसने ऐसा किया और इसलिए हम आज भी उसकी जय-जयकार करते हैं.

विलियम होय के बारे में अधिक जानकारी

विलियम एल्सवर्थ होय को लोग अक्सर "डमी होय" के रूप में बुलाते हैं. विलियम के समय में, "डमी" उन लोगों के लिए एक सामान्य नाम था जो बहरे और मूक होते थे. विलियम, जिसे बहरा होने पर गर्व था, खुद को "डमी" कहता था.

जबकि विलियम लंबे समय से बधिर समुदाय में एक नायक रहा है, वो सुनने की दुनिया में उतना प्रसिद्ध नहीं था, भले ही उसने कई रिकॉर्ड तोड़े और 1888-1902 तक बेसबॉल के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक बना रहा. उसका जन्म 23 मई, 1862 को ओहियो के हॉक शहर में उनके माता-पिता के फार्म पर हुआ था. वो अपने परिवार का एकमात्र सदस्य था जो बहरा था. उसने कम उम्र में ही मेनिनजाइटिस के कारण अपनी सुनने की शक्ति खो दी थी. विलियम के कोलंबस, ओहियो में बधिरों के लिए ओहियो स्टेट स्कूल से स्नातक होने के बाद, उसके माता-पिता को उम्मीद थी कि वो एक मोची के रूप में एक सम्मानजनक जीवन जी पाएगा, लेकिन उसे बेसबॉल ज़्यादा पसंद थी. वो बीच-बीच में जूते ठीक करना भी जारी रखता था.

विलियम प्रत्येक खेल में अपनी पूरी कोशिश करता था. एक बार गेंद पकड़ने के लिए वो आउटफील्ड के किनारे खड़े एक घोड़े पर कूद पड़ा.

.

उसे हास्य की भी अच्छी समझ थी. जब उसकी टीम के सदस्यों को एक होटल में शोर मचाने वाले मेहमानों के कारण पूरी रात नींद नहीं आई, तो विलियम ने शेखी बघारी और कहा कि वो अच्छी नींद सोया क्योंकि वो बहरा था.

विलियम होय खेल में हाथ के संकेतों को पेश करने वाला एकमात्र व्यक्ति नहीं था, बल्कि उसने कई संकेतों को विकसित करने के लिए अंपायरों के साथ मिलकर काम किया. उसके बाद बेसबॉल में संकेतों को, आधिकारिकरूप से शामिल किया गया.

उन्होंने बधिरों की शिक्षिका अन्ना मारिया लोरी से शादी की, जो स्वयं बधिर थीं, और उन्होंने अपने बच्चों और एक भतीजे का पालन-पोषण, ओहियो के माउंट हेल्दी के पास एक डेयरी फार्म पर किया. बेसबॉल से सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने गुडइयर कंपनी के लिए एक निदेशक के रूप में काम किया और कंपनी के बधिर श्रमिकों को, एक बेसबॉल टीम में संगठित किया, जिसका नाम "गुडइयर साइलेंट" था.

जब विलियम ने 1961 वर्ल्ड सीरीज़ के गेम 3 से पहले पहली पिच फेंकी, जब सिनसिनाटी रेड्स ने न्यूयॉर्क यांकीज़ के साथ खेला, तो उन्हें खड़े होकर सराहना मिली. तब वे निन्यानवे वर्ष के थे.

उनकी मृत्यु के बाद के वर्षों में, विलियम होय को अपार प्रसिद्धि मिली: 1959 में हैनकॉक स्पोर्ट्स हॉल ऑफ फ़ेम; 1990 में डेफ़ हॉल ऑफ़ फ़ेम, ओहियो स्टेट; 1992 में ओहियो बेसबॉल हॉल ऑफ फ़ेम; 2003 में सिनसिनाटी रेड्स हॉल ऑफ फ़ेम, और 2004 में बेसबॉल रिक्वेरी श्राइन ऑफ़ द इटरनल्स.

समयरेखा

1862 विलियम एल्सवर्थ होय का जन्म 23 मई को अब्राहम लिंकन के राष्ट्रपति काल के दौरान ओहियो के हॉक शहर में हुआ.

1865 विलियम को मेनिनजाइटिस हो गया और उनकी सुनने और बोलने की शक्ति चली गई.

1879 बधिरों के लिए ओहियो स्कूल से स्नातक उसने हॉक शहर में जूतों की मरम्मत की और बेसबॉल का अभ्यास जारी रखा.

1886-1887 ओशकोश, विस्कॉन्सिन में एक छोटी लीग टीम के साथ उसने अपने पहले पेशेवर बेसबॉल अनुबंध पर हस्ताक्षर किए.

1888-1889 ने वाशिंगटन नेशनल्स के साथ अपने प्रमुख लीग के खेल के आधार पर नेशनल लीग का रिकॉर्ड बनाया. अपने दूसरे वर्ष में, उसने एक गेम में आउटफील्ड से तीन धावकों को होम प्लेट से बाहर कर दिया.

1890-1901 बफ़ेलो बाइसन, सेंट लुइस ब्राउन, वाशिंगटन सीनेटर, सिनसिनाटी रेड्स, लुइसविले कर्नल्स, शिकागो व्हाइट स्टॉकिंग्स (जो अंततः शिकागो व्हाइट सॉक्स बन गए) के साथ भी खेला.

1901 डेट्रॉइट टाइगर्स के खिलाफ शिकागो व्हाइट स्टॉकिंग्स के लिए ग्रैंड स्लैम मारा, जिससे उसकी टीम को अमेरिकी पेनेटेंट जीतने में मदद मिली.

1902 सिनसिनाटी रेड्स के लिए खेलते समय, होय को न्यूयॉर्क जायंट्स के बधिर पिचर लूथर "डमी" टेलर से हार का सामना करना पड़ा. यह प्रमुख लीग इतिहास में पहली बार हुआ कि दो बधिर खिलाड़ियों ने एक खेल में, एक-दूसरे का सामना किया.

1941 विलियम को लुइसविले कर्नल हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया.

1951 वो पहले व्यक्ति बने जिन्हें *अमेरिकन एथलेटिक एसोसिएशन ऑफ़ द डेफ़ हॉल ऑफ़ फ़ेम* में शामिल किया गया.

1961 निन्यानवे वर्ष की आयु में 15 दिसंबर को मृत्यु.